तालाबों व जलकुंडों को प्राकृतिक तरीके से साफ करने की पहल

100 वर्ष पहले भी पानी गंदा होता था, जिसे प्रकृति साफ करती थी

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

प्रकृति का जो नुकसान हुआ है, उसे हम मशीन से ठीक नहीं कर सकते हैं. उसे प्रकृति के अनुरूप ही सुधार करना होगा. यदि हम यह सोचते हैं कि गंदगी फैलाते जाएं और इसे मशीन से साफ कर लेंगे, तो यह सबसे बड़ी भूल है. आज से 100 साल पहले भी नदियां गंदी होती थीं. उस समय इन नदियों व तालाबों को प्रकृति ही साफ करती थी. ये बातें तत्व ज्ञान ह्यूमैनिटी फाउंडेशन के ट्रस्टी मधुकर स्वयंभू ने कहीं. वह रविवार को दीनदयाल नगर स्थित आइएएस क्लब में आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे.

उन्होंने कहा कि सिर्फ रांची में ही नहीं, बल्कि देश के हर शहर में नदी व तालाबों की गंदगी को रोक पाना सरकार के लिए चुनौती बन गयी है. हालांकि इसे दूर किया जा सकता है. संस्था प्राकृतिक रूप से तालाबों व जलकुंडों की सफाई दिल्ली, हल्द्वानी, वेल्लूर, मुंबई, जिम कार्बेट उद्यान, लोधी गार्डेन, दरभंगा आदि शहरों में कर रही है. इसकी योजना झारखंड में भी काम करने की है. श्री स्वयंभू ने कहा कि पानी के खराब होने के कई कारण हैं. इसमें पानी में ऑक्सीजन की कमी होना गंभीर बात है. इस मौके पर राज्यसभा सांसद सरिवेश, वरिष्ठ आइएएस संतोष कुमार सतपथी, एसएन सिन्हा, मृदुला सिन्हा, पत्रकार मनोज प्रसाद, किशोर मंत्री सहित संस्था के शैलेश सिंह और गुणनाथ दे आदि उपस्थित थे.

दीनदयाल नगर स्थित आइएएस क्लब में आयोजित कार्यक्रम में शामिल फाउंडेशन के सदस्य. इस दौरान ऑक्सीजन पार्क तालाब में केमिकल डाला गया.

भगवान की तसवीर में भी दिखती है प्रकृति, जिसकी हम करते हैं अनदेखी : मधुकर स्वयंभू

ट्रस्टी श्री स्वयंभू ने कहा कि आज हर व्यक्ति के घर में किसी न किसी भगवान की तसवीर है. उन तसवीरों में कुछ चीज ऐसी भी है जिसकी हम अनदेखी कर देते हैं. वे हैं तसवीरों में दिखती प्रकृति. जो भी देवी देवताओं की तसवीरें देखें, सबमें आपको प्रकृति से गहरा रिश्ता दिखेगा. किसी तसवीर में आप जानवरों को देखेंगे, तो किसी में पेड़-पौधे व नदी-नाले दिखेंगे. प्रकृति देखने को मिलेगी. इसलिए हमें प्रकृति की भी पूजा करनी चाहिए. जिस दिन हम प्रकृति से प्रेम करने लगेंगे, उस दिन हमारी प्रकृति पूर्व की सुंदर सुंदर होने लगेगी.

एक सप्ताह में साफ होगा मोरहाबादी स्थित ऑक्सीजन पार्क तालाब का पानी

फाउंडेशन के सदस्यों ने खुद से तैयार किये गये केमिकल को ऑक्सीजन पार्क मोरहाबादी में स्थित तालाब में मिलाया. केमिकल को पानी में मिला कर तालाब में डाला गया. इससे पूरे तालाब में बुलबुले उठने लगे. संस्था के सदस्यों ने कहा कि बुलबुला उठना शुभ संकेत है. जितना अधिक बुलबुला निकलेगा, पानी में उतनी ही अधिक ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ेगी. 10 दिनों के बाद तालाब का पानी पूरी तरह से साफ हो जायेगा.